पद २३0

(राग: देस - ताल: दादरा)

वारिजनयना ये वाहन सुपर्णा ।।ध्रु.।। गोविंद गोपाल गोकुलवासी नंदलाल। गोवर्धनधारी ये गोपीमनमोहना।।१।। यशोदेचा कुमार यमुनेठायीं वेणुनादें वळितो गायी। यदुपति जगदोद्धार यऊं दे तुज करुणा।।२।। तारी तारी मज हरी। तारकांतक कंसारी। तारक तुझें नाम त्वरित माणिक धरि चरणा।।३।।